प्रथम खण्ड

विषय				पृष्ठ
१—मेरी भावना	...	...		१
२—संस्कार	...	...		४
३—जैनधर्मकी प्राचीनता		...		७
४—जैनधर्मानुसार जैनधर्मका संक्षिप्त इतिहास			...	१६
५—भगवान् महावीरके बादका जैन इतिहास			...	४४
६—अहिंसाका स्वरूप	...	...	...	६१
(१) अहिंसाके भेद	...	...	...	६८
(२) हिंसाका विशेष स्वरूप		...	...	७२

द्वितीय खण्ड

विषय		पृष्ठ
१—सप्तभङ्गी	... ...	७७
२—अनेकान्तवाद	... ...	८२
(१) अनेकान्तपर अन्य विद्वानोंकी सम्मतियाँ	...	८३
(२) अनेकान्तवादका स्वरूप	... ...	८३
३—द्रव्य-पर्याय अधिकार	... ...	९४
४—नय अधिकार	... ...	९९
५—निक्षेप अधिकार	... ...	१०७
६—प्रमाण	... ...	१०९
७—कर्म अधिकार	... ...	१११
(१) आक्षेपोंका समाधान	... ...	११२
(२) कर्मशब्दका अर्थ	... ...	११४
(३) कर्मका स्वरूप	... ...	११५
(४) कर्मशत्रुपर विजय	... ...	११७
(५) कर्मशत्रुकी प्रबलता	... ...	११९
(६) कर्मोंसे छूटनेका मुख्य गुरु	... ...	११९
(७) कर्मोंके विषयमें विशेष ज्ञान	... ...	१२०
(८) बन्ध	... ...	१३८
(९) निःकाङ्क्षित कर्म	... ...	१४१

विषय				पृष्ठ
(१०) शुभाशुभ कर्मोंकी कसौटी	...	...		१४६
(११) कर्मोंका स्थिति-काल-प्रमाण	...	...		१५२
(१२) आयुर्बन्धका नियम	...	...		१५५
(१३) कर्मबन्धके मुख्य हेतु	...	...		१५६
(१४) गुणस्थानोंमें मूल बन्ध-हेतु	...	...		१५६
(१५) गुणस्थानोंमें उत्तर बन्ध-हेतु	...	...		१५६
(१६) संक्षेप	...	...		१६२
८—नवतत्त्व अधिकार	...	...	...	१६४
(१) जीव	...	...	...	१६६
(२) जीवके शरीर	...	...	...	१६८
(३) जीवकी गति	...	...	...	१७१
(४) जीवोंके भेद	...	...	...	१७४
(५) जीवके प्राण	...	...	...	१७६
(६) जीवोंकी आयुःस्थिति	...	...		१८१
(७) जीवोंका अल्प-बहुत्व	...	...		१८३
(८) संसारी जीवके गुण	...	...		१८५
(९) आत्मा और केवलज्ञान	...	...		१९१
(१०) अजीव	...	...		२००
(११) द्रव्यकी व्याख्या	...	...		२०३